

दिल्ली राजपत्र

Delhi Gazette



असाधारण
EXTRAORDINARY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34] दिल्ली, बुधवार, मार्च 5, 2014/फाल्गुन 14, 1935 [रा.रा.क्षे.दि. सं. 255
No. 34] DELHI, WEDNESDAY, MARCH 5, 2014/PHALGUNA 14, 1935 [N.C.T.D. No. 255

भाग—IV
PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वित्त (राजस्व—1) विभाग

अधिसूचनाएं

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

सं. फा. 3(27)/वित्त/(राज.-1)/2013-14/डीएसVI/291.— दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 (2005 का दिल्ली अधिनियम 03) की धारा 102 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 का पुनः संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ .— (1) इस नियमावली को दिल्ली मूल्य संवर्धित कर (संशोधन) नियमावली, 2014 कहा जायेगा।
(2) यह दिल्ली राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।
- नियम 67 में संशोधन :— इस नियमावली के नियम 67 के उप नियम (1) तथा उसके साथ परन्तुक को हटाया जायेगा।
- फार्म डीवैट 38 में संशोधन .— इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 38 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“व्यापार एवं कर विभाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

फार्म डीवैट- 38

[नियम 52 को देखिए]

दिल्ली मूल्य सर्वाधित कर अधिनियम, 2004 के अन्तर्गत आपत्ति पत्र

सेवा में _____

1. पहचान

2. वर्ष और कर अवधि

क्रम संख्या	अधिनियम	कर अवधि	आदेश का प्रकार [कर व व्याज (24) / अर्थदण्ड (24क) / कोई अन्य]	आदेश संख्या	आदेश/ सूचना की तिथि	आदेश/ नोटिस की सर्विस की तारीख	मांग राशि (रुपये)			
							कर	व्याज	अर्थदण्ड	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
			कुल योग							

3. अपीलकर्ता / आपत्तिकर्ता द्वारा स्वीकृत मांग, जमा कराया या प्राप्त सावधिक प्रपत्र

4. विवादास्पद माँग की राशि (R2-R3)

क्रम संख्या	अधिनियम	कर अवधि	आदेश का प्रकार कर & व्याज (24) / अर्थदण्ड (24क) / कोई अन्य	आदेश संख्या	आदेश/ संस्था की तिथि	आदेश/नोटिस की सर्विस की तारीख	मांग राशि (रुपये)			
							कर	व्याज	अर्थदण्ड	कुल

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
		कुल योग								

5. भुगतान का विवरण, यदि कोई हो

क्रम संख्या	भुगतान की तिथि	चालान आई डी	बैंक शाखा का नाम	जमा राशि (रुपये)				
				कर	ब्याज	अर्थदण्ड	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
		कुल योग						

6. जमा डी वैट 39 का विवरण

क्रम संख्या	अधिनियम	कर अवधि	आदेश का प्रकार कर & ब्याज (24) / अर्थदण्ड (24क) / कोई अन्य	आदेश / पावति संख्या	आदेश की तिथि / सूचना	आदेश / सूचना की सर्विस करने की तिथि	देरी की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
		कुल योग					

7. कर निर्धारण के बाद प्राप्त सांवधिक प्रपत्रों का विवरण (कर निर्धारण के समय जो नहीं थे)

क्रम संख्या	कर अवधि / तिमाही	प्रपत्र का प्रकार	राज्य	व्यापारी / पार्टी को जारी टिन संख्या	पार्टी का नाम	पार्टी का पता	प्रपत्रों का मूल्य (वास्तविक)	सीरिज संख्या	प्रपत्र संख्या	जारी तिथि	जारी करने वाला कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
		कुल योग									

नोट - आपत्ति दर्ज करते वक्त या आपत्ति कार्रवाई के दौरान प्राप्त प्रपत्र, लाभ प्राप्त करने हेतु फाइल किए जाएंगे ।

इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत प्रपत्र का विवरण भी उपर्युक्त ब्लॉक 7 में, वर्ष, संस्थान संख्या, वाद की तिथि और न्यायालय का नाम सहित दिखाना है ।

8. कर निर्धारण करने के बाद डी वैट के तहत अनुलग्नके 2ए/2बी के विसंगति के शुद्धीकरण का विवरण

क्रम संख्या	कर अवधि	आईटीरी दावा	कर निर्धारण आदेशानुसार आईटीसी विसंगति की राशि	कर निर्धारण के आदेश के बाद मिलान की गयी आईटीसी की राशि	कर निर्धारण आदेशानुसार जमा किये आउटपुट टैक्स में कमी की राशि	कर निर्धारण आदेश के बाद मिलान किया गया आउटपुट टैक्स की राशि	अदा की गई कर की राशि यदि कोई हो, उपर दिये गए 3 और 5 में सम्मिलित
1	2	3	4	5	6	7	8
		कुल					

9. धारा 74(2) के अन्तर्गत आपत्ति का विवरण

क्रम संख्या	अधिनियम	पावती की आई डी संख्या	पावती की तिथि	निष्पादन की समाप्ति तिथि	अधिकारी का नाम जिसके निर्णय ना लेने या कर निर्धारण आदेश जारी करने के विरुद्ध में आपत्ति दर्ज की जा रही है।
1	2	3	4	5	6

10. आपत्ति/अपील के आधार का विवरण (बिन्दु-वार)

--

नोट—अगर जगह कम पढ़े तो अतिरिक्त पेज जोड़े ।

11. सारे दस्तावेजों/साक्ष्य की सूची जो आपत्ति के पक्ष में रखना चाहते हैं।

12. सत्यापन

मैं/ हम इसके द्वारा निष्पा पूर्वक घोषणा करता हूँ/ करते हैं कि इसमें उक्त दी गई जानकारी मेरी/हमारी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर
 पूरा नाम – प्रथम नाम, मध्यम नाम, उपनाम
 पदनाम
 स्थान

तिथि	दिन	माह	वर्ष

4. फार्म डीवैट 17 में संशोधन – इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 17 में ब्लॉक आर-5 जो "समझौता/आउटपुट कर की गणना" से संबंधित है मैं :-

(i) पंक्ति आर-5.2 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा ।

आर 5.2(1) कोई अन्य दर (कम्पोजिशन/अन्य)													
आर 5.3 कुल योग													

(ii) विद्यमान पंक्ति "आर-5.3 समझौता/आउटपुट कर उपजोड़, (आर 5.1 + आर 5.2)" को हटाया जायेगा ।

(iii) पंक्ति आर-5.4 "पिछले कर अवधि का अण्णित शेष राशि" के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा ।

"आर 5.4(1) – घटा : स्रोत पर काटा गया कर (वेबसाइट से डाउनलोड किया/किये गए टी.डी.एस. प्रमाण पत्र डीवैट 56 के साथ संलग्न करें)

क्रम सं.	फार्म डीवैट-43 आई.डी. नं.	तारीख	राशि

(iv) पंक्ति आर 5.5 शुद्ध कर [आर 5.3 – आर 5.4] को निम्नलिखित पंक्ति आर 5.5 शुद्ध कर [आर 5.3 – आर 5.4 – आर 5.4(1)] द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा ।

5. विवरणी फार्म डीवैट-18 के परिशिष्ट 2 खं एवं फार्म डीवैट-31 में संशोधन – इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 18 के परिशिष्ट 2 खं के कॉलम संख्या-27 में तथा फार्म डीवैट 31 के कॉलम संख्या-27 में शब्द "सिविल" को हटाया जायेगा ।

6. फार्म डीवैट 51 का हटाया – इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 51 को हटाया जायेगा ।

**“FINANCE (REVENUE-I) DEPARTMENT
NOTIFICATIONS**

Delhi, the 5th March, 2014

No. F. 3(27)/Fin.(Rev-I)/2013-14/dsVI/291.— In exercise of the powers conferred by section 102 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004 (Delhi Act 3 of 2005), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, hereby, makes the following rules further to amend the Delhi Value Added Tax Rules, 2005, namely:-

1. **Short title and commencement.**-(1) These rules may be called the Delhi Value Added Tax (Amendment) Rules, 2014.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.
2. **Amendment of rule 67** - In the said rules, in rule 67, sub-rule (1) and proviso thereto shall be omitted.
3. **Amendment of Form DVAT 38.**- In the said rules, in forms appended thereto, for Form DVAT -38, the following shall be substituted, namely:-

DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

Government of NCT of Delhi

Form DVAT 38

[See Rule 52]

Objection Form under Delhi Value Added Tax Act, 2004

To

The _____

1. **dentification**

2. Year and Tax Period:

Year -

1013 D G 114-2

3. Demand admitted, deposited or statutory forms received against the demand by the Appellant/Objector

4. Amount of demand in dispute (R2-R3)

5. Payment details, if any

Sr. No.	Date of payment	Challan ID	Name of Bank Branch	Amount paid (Rs.)				
				Tax	Interest	Penalty	others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Total								

6. Details of DVAT-39 filed

7. Details of the statutory forms received after framing of assessment (not accounted for in the notice of assessment)

Note – The information relating to the forms received at the time of filing objection or during the objection proceedings shall be filed for availing the benefit of the forms. Similarly, information for forms produced before Tribunal or Higher courts, shall also be filed in the above block (7), duly mentioning year, institution no. & date of the case and name of court.

8. Details of the rectification of mis-match of Annexure 2A/2B under DVAT after framing of assessment.

9. Details of the objection filed under section 74(2)

Sr No.	Act	Receipt ID	Receipt date	Expected date of disposal	Name of Authority against whose failure to decide or to issue any assessment or order the objection is being filed
I	2	3	4	5	6

10. Detailed Grounds of Objection / Appeal (point-wise)

Note – Attach separate sheet if space is insufficient.

11. List of all documents/ evidence that you want to be considered regarding your objection

12. Verification

I/We _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorised Signatory _____
Full Name (*first name, middle, surname*)

Designation/Status

Place

Date			
	Day	Month	Year

4. **Amendment in Form DVAT 17.** - In the said rules, in forms appended thereto, in Form DVAT –17, in block B5 regarding of “Computation of composition/output tax” -

(i) After row R5.2, following shall be inserted, namely : -

R5.2(1) Any other rate (composition/other)													
R 5.3 Total													

(ii) Existing row "R5.3, composition /output tax and Sub Total (R5.1 +R5.2)" shall be omitted.

(iii) After "row R5.4 Balance carried forward from previous tax period", the following shall be inserted, namely:-

"R5.4(1) – Less: amount deducted at source (attach TDS Certificates, downloaded from website, with form DVAT-56).

Sl. No.	Form DVAT-43 ID No.	Date	Amount

(iv) Row R5.5 Net Tax [R5.3-R5.4] shall be substituted by R5.5 Net Tax [R5.3-R5.4- R5.4(1)]

5. Amendment in Annexure-2B of the return form DVAT-16 and DVAT-31. - In the said rules, in forms appended thereto, in column 27 of Annexure-2B of Form DVAT-16 and in column 27 of Form DVAT-31, the word "civil" shall be omitted.

6. Omission of Form DVAT-51. - In the said rules, in the forms appended thereto, the form DVAT-51 shall be omitted.

सं.फा. 3 (27) / वित्त / (राज0-1) / 2013-14 / डीएसVI/292. – केन्द्रीय विक्री कर अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्या 74) की धारा 13 की उपधारा 3 एवं 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में सशक्त बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल इसके द्वारा केन्द्रीय विक्री कर (दिल्ली) नियमावली, 2005 का पुनः संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् : –

नियमावली

1. **संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ** : – (1) इन नियमों को केन्द्रीय विक्री कर (दिल्ली) (संशोधन) नियमावली, 2014 कहा जायेगा ।

(2) यह दिल्ली राजपत्र में अपनी प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगी ।

2. **नियम 4 का संशोधन** : – उक्त नियमावली के नियम 4 में प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्

"(1) नियम 3 के अंतर्गत अपेक्षित विवरणी के अतिरिक्त प्रत्येक व्यापारी जिस वर्ष से समाधान विवरणी संबंधित है, उस वर्ष के अन्त से 6 माह की अवधि के भीतर घोषणा-पत्रों/प्रमाण पत्रों (इसके बाद "सांविधिक प्रपत्रों" के रूप में संदर्भित) की प्राप्ति से संबंधित प्रपत्र 9 में वर्ष की समाधान विवरणी आयुक्त को भी प्रस्तुत करेगा । विवरणी इलेक्ट्रोनिक विधि से प्रस्तुत की जायेगी ।

शर्त है कि विवरणी वर्ष की किसी तिमाही या एक तिमाही से अधिक अवधि के लिए प्रस्तुत की जायेगी, लेकिन उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट समय-सीमा अवधि के बाद नहीं ।

यह भी शर्त है कि इसे नियमावली के नियम 5 के उपनियम (5) के, नियम 7 के उपनियम (5) के खण्ड (क), नियम 9 के उपनियम (2) नियम 6 क और नियम 6 ख के उपबन्ध लागू नहीं होंगे, जहां तक इनका समाधान विवरणी को प्रस्तुतीकरण और घोषणा पत्र (पत्रों) प्रमाण पत्र/पत्रों के प्रस्तुतीकरण का संबंध है ।

(2) रियायती विक्री या स्टॉक अंतरण के स्थान पर मूल में प्राप्त सांविधिक प्रपत्र, व्यापारी द्वारा अपने पास रखे जायेंगे । जिस वर्ष से ऐसे प्रपत्र संबंधित हैं उस वर्ष के अंत से सात वर्ष की अवधि के दौरान जब कभी आयुक्त द्वारा अपेक्षित तब आयुक्त ऐसे प्रपत्र प्रस्तुत करने के लिए व्यापारी को निर्देश दे सकते हैं ।

(3) प्रपत्र 9 में विवरणी, जिस वित्तीय वर्ष से यह संबंधित है, उससे अगले वित्तीय वर्ष के अंत तक संशोधित की जा सकेगी ।

शर्त है कि आयुक्त संशोधन की समय-सीमा के अंत के बाद तीन माह तक संशोधन की अवधि बढ़ाई जा सकेगी ।

आगे यह भी शर्त है कि इस नियमावली या दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 में कुछ भी रहते हुए, ऐसे संशोधन के लिए समय-अवधि में कोई और बढ़ातरी अनुमति नहीं होगी ।

व्याख्या :— इस नियमावली के प्रयोजनार्थ शब्द 'वर्ष' और 'तिमाही' का वही अर्थ होगा, जो दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम 2004 तथा इसके अंतर्गत बनाई गई नियमावली में परिभ्रामित है ।"

4. नियम 10 का समावेशन:— उक्त नियमावली के नियम 10 के बाद निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जायेगा, अर्थात्—
 *10 के पंजीकरण प्रमाण पत्र का संशोधन और रद्दीकरण: पंजीकरण के रद्दीकरण का आवेदन पत्र प्रपत्र 10 में प्रस्तुत किया जायेगा और पंजीकरण के संशोधन का आवेदन—पत्र प्रपत्र 11 में प्रस्तुत किया जायेगा। आवेदन पत्रों पर दिल्ली मूल्य सर्वधित कर अधिनियम, 2004 और इसके अंतर्गत बनाई गई नियमावली में विनिर्दिष्ट पद्धति से कार्रवाई की जायेगी।

5. केन्द्रीय बिक्री कर के प्रपत्र 1 में संशोधन:— उक्त नियमावली के साथ संलग्न केन्द्रीय बिक्री कर प्रपत्रों में—
 (i) ब्लाक आर 10 एवं आर 11 हटाए जायेंगे।
 (ii) ब्लाक आर 12 सत्यापन पत्र 'ब्लाक आर 10 सत्यापन' के रूप में संख्याकित किया जायेगा।

6. प्रपत्र 9, प्रपत्र 10 एवं प्रपत्र 11 का समावेशन:— उक्त नियमावली के साथ संलग्न प्रपत्रों में प्रपत्र 9, 10 एवं 11 को सन्निविष्ट किया जायेगा, अर्थात्

व्यापार एवं कर विभाग

दिल्ली सरकार

वार्ड संख्या:-

प्रपत्र 9 (नियम 4 देखिए)

केन्द्रीय विक्री कर दिल्ली नियमावली, 2005

अन्तर्राज्यीय बिक्री/स्टॉक अंतरण

आदि के लिए समाधान विवरणी

पूल / संशोधित

यदि संशोधित है—

(i) भूल विवरणी प्रस्तुत करने की दिक्षिण

(ii) पाकती रसीद संख्या

(iii) संशोधन के कारण

(टीप:- कृपया प्रपत्र को भरने से पहले अंत में दिए गए अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए)

आर 1- वर्ष एवं कर अवधि

तत्त्व

कर अवधि/अवधियाँ	से	/	/	/	/	से	/	/	/	/
		/	/	/	/		/	/	/	/
		/	/	/	/		/	/	/	/
		/	/	/	/		/	/	/	/
		दिन	मास	वर्ष			दिन	मास	वर्ष	

आर 2—पहचान

आर 3 घोषणा पत्रों/प्रमाण पत्रों (सी/सीई-1/सीई-2/ई-1/ई-2/एफ/एच/आई/जे प्रपत्रों) की पारिंग एवं विलम्ब

(कुल विकी रूपये में)

		ई-2 और सी (प्राप्त नहीं)					0		
		ई-1 प्राप्त नहीं, सी प्राप्त					2		
		ई-2 प्राप्त नहीं, सी प्राप्त					2		
	कुल कर								

आर 4- दायित्व

क्रम सं०	देय कर (आर 3 के कॉलम 10- कॉलम 11)	व्याज	जोड़ (2+3)	भुगतान की गई राशि			देय रोध राशि
				कर	व्याज	जोड़	
1	2	3	4	5	6	7	
	जोड़						

आर-5 आर 4 के कॉलम 5 से संबंधित भुगतान विवरण

क्रम संख्या	भुगतान की तिथि	चालान आई.डी	बैंक की शाखा का नाम	भुगतान की गई राशि (रु. में)		
				कर	व्याज	जोड़
1	2	3	4	5	6	7
	जोड़					

आर-6 प्रपत्रों का विवरण (सी/ई-1/ई-2/एफ/एच/आई/जे प्रपत्र) (आर 3 से संबंधित)

क्रम सं०	कर अवधि/तिथि	फार्म का प्रकार	राज्य	जारी करने वाले व्यापारी का टिन	पार्टी का नाम (पक्षकार)	पार्टी का पता	प्रपत्र में दी गयी प्रपत्रों की राशि	सीरिज संख्या	फॉर्म संख्या	जारी करने की तिथि	जारी करने वाला कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	कुल योग										

आर 7 - जिस वर्ष के लिए विवरणी प्रस्तुत की जा रही है, उस वर्ष से पहले तीन पूर्ववर्ती वर्षों से संबंधित प्रपत्रों की विलंबता

आर 7.1 सांबंधिक प्रपत्रों की कमी के लिए निर्धारित प्रपत्रों का कर निर्धारण विवरण

क्रम संख्या	वर्ष	कर अवधि	कर निर्धारण आदेश/नोटिस की संदर्भ संख्या	कर निर्धारण आदेश/नोटिस की तिथि	भुगतान की गयी राशि	क्या आपत्ति या अपील दायर की गयी है, (हों या नहीं)	यदि कॉलम 7 में हां है, तो वर्तमान स्थिति। (लंबित या निष्पादित)
1	2	3	4	5	6	7	8

आर 7.2- आर 7.1 के कॉलम 6 से संबंधित भुगतान

क्रम संख्या	भुगतान की तिथि	चालान आई.डी	बैंक की शाखा का नाम	भुगतान की राशि (रुपये में)			
				कर	व्याज	अर्थ दंड	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
	कुल योग						

आर 7.3 उन लंबित प्रपत्रों का विवरण जिनके लिए कर अभी निर्धारित नहीं किया गया है

आर 7.4 – आर 7.3 के कॉलम 9 से संबंधित मुग्तान का विवरण

आर 7.5 – पास हए प्रपत्रों का विवरण (सी/ई-1/ई-2/एफ/एच/आई/जे/) (आर 7.3 से संबंधित)

(मुख्य रूपयों में)

आर.8-सत्यापन

मैं/ हम _____ इसके द्वारा निष्ठा पूर्वक घोषणा करता हूँ/ करती हूँ/ करते हैं
मेरे/ हमारे पूरे विश्वास और जानकारी के अनुसार उक्त दी गयी सूचना सत्य एवं सही है तथा उसमें से कुछ भी नहीं छिपाया गया है।

अधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

पूरा नाम (प्रथम, मध्य व उत्तमाम)

पद/स्थिति
स्थान

दिनांक	दिन	माह	वर्ष
--------	-----	-----	------

निर्देशः—

1. सभी व्यापारी, जिन्होंने किसी वर्ष या तिमाही, जैसा भी हो, में केंद्रीय विक्रय अथवा स्टॉक स्थानांतरण संवैधानिक फॉर्म के द्वारा किया हो, इस विवरणी को वार्षिक भरेंगे। प्राप्त हुए फॉर्म का विवरण उन्हें तिमाही अनुसार देना होगा। यह एक कर अवधि या एक से अधिक कर अवधि के लिए फाईल की जा सकती है, किंतु साल की बिक्री कर अवधियों की सूचना जोड़ने के लिए मूल विवरणी को संबोधित करना आवश्यक होगा। संबोधित विवरणी पूर्व सभी कर अवधियों की सूचना के साथ होगी। विवरणी को दिए गए समय में दी गयी सूचना को ठीक करने अथवा दुरुस्त के लिए दिए गए समय में संशोधित किया जा सकता है। अधिनियम या नियमों के संदर्भ में आखिरी विवरणी ही, चाहे मूल या संबोधित जैसा भी हो, मान्य होगी।

2. कुल बिक्री राशि दिल्ली मूल्य संबोधित कर अधिनियम के सेक्षन 2(1)(zm) के तथा केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम के सेक्षन 2(j) के अनुसार व्यापारी द्वारा किए गए संवैधानिक फॉर्म के द्वारा कुल विक्रय की राशि होगी। आखिरी विवरणी सी.एस.टी. फॉर्म 1 में बतायी गयी कुल बिक्री राशि ही इस विवरणी में दर्शानी है।

3. जो भी सामान किसी खरीददार/कंसाईनी अथवा शाखा द्वारा निर्धारित समय में वापस किया जाता है, उसकी सूचना उसी तिमाही में देनी होगी जिसमें सामान को बेचा या सप्लाई किया गया था।

4. ब्लॉक आर. 3 एवं आर. 6 में फॉर्म में दर्शायी गयी फॉर्म्स की राशि ही भरनी है, यद्यपि आर. 7 के कॉलम 6 में फॉर्म्स में सन्निहित सामान की शुद्ध विक्रय राशि (केंद्रीय कर, भाड़ा, सामान वापसी की राशि को छोड़कर) दर्शानी होगी।

5. फॉर्म्स में अधिक राशि का मतलब यह है कि अगर फार्म की राशि में केंद्रीय कर या अन्य कोई खर्च—जैसे भाड़ा या सामान वापसी की कीमत सन्निहित हो। कर हेतु बिक्री राशि से उपर की राशि को अधिक राशि कहा जाएगा। किसी कर अवधि में किए गए विक्रय अथवा स्टॉक स्थानांतरण का विवरण उसी कर अवधि में दिया जाएगा, चाहे खरीदा अथवा प्राप्तकर्ता ने वह सामान अगली कर अवधि में प्राप्त किया हो।

6. फॉर्म्स के लंबित होने का अर्थ वह बिक्री राशि है, जिसके संदर्भ में संवैधानिक फार्म विवरणी के दाखिल करने की तारीख तक नहीं प्राप्त हुए हैं।

7. जारीकर्ता व्यापारी अथवा पार्टी के पंजीकरण अथवा टिन नं. का अर्थ उस व्यापारी का पंजीकरण अथवा टिन नं. है, जिसने दिल्ली के व्यापारी को रियायती दर पर विक्रय करने/स्टॉक स्थानांतरण हेतु संवैधानिक फॉर्म जारी किए हैं।

8. डीवैट अधिनियम में कर की दर का अर्थ डीवैट अधिनियम, 2004 में दिए गए अनुसूची में दर्शायी गयी दर है।

9. ब्लॉक आर. 3 एवं आर. 7 के संदर्भ में हर प्रकार की विक्रय/स्टॉक स्थानांतरण को कुल योग पंक्ति से पहले दर्शाना है। सी फॉर्म के द्वारा किया गया आम विक्रय तथा ट्रांजिट सेल जो सी एवं ई फॉर्म्स के द्वारा होती है, दोनों को अलग-अलग दर्शाना है। ट्रांजिट सेल के मामले में फॉर्म सी एवं फॉर्म ई1/ई2 के विवरण अलग-अलग भरने हैं। ट्रांजिट सेल से संबोधित सी फॉर्म का विवरण उपर की पंक्तियों में देना है एवं उनके सामने आर. 3 के कॉलम 3 तथा आर. 7.3 के कॉलम 4 में सी ई 1 अथवा सी ई 2 दर्शाना होगा। कर देयता की गणना करने के लिए यदि सी फॉर्म प्राप्त हुआ है, उस मामले में चाहे ई1/ई2 प्राप्त हुआ हो या नहीं, उस बिक्री राशि जिसका सी फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ है उस पर डीवैट अधिनियम के अंतर्गत दिए गए कर की दर लागू होगी। यदि सी फॉर्म प्राप्त हुआ है उस मामले चाहे ई1/ई2 प्राप्त हुआ हो या नहीं, तब उस पंक्ति के विषय में कर देयता शून्य होगी, किंतु ऐसे ट्रांजेक्शन में कर देयता निचली पंक्तियों में दिए गए ई1/ई2 के विवरण पर निर्भर करेगी।

आर. 3 तथा आर. 7.3 की निचली पंक्तियां जो फॉर्म ई1/ई2 के विवरण से संबोधित हैं मैं ई1/ई2 की टर्न ओवर उस ट्रांजेक्शन में उस व्यापारी द्वारा किए गए विक्रय की राशि होगी न कि क्रय राशि जिस पर वह माल खरीदा गया था। ऐसे मामले में कर देयता की गणना 2 प्रतिशत की दर से की जाएगी, जिसमें सी फॉर्म प्राप्त हुआ हो किंतु ई1/ई2 प्राप्त नहीं हुआ हो। दूसरे शब्दों में ऐसी ट्रांजेक्शन आम सी फॉर्म के विक्रय के समान होगी। ट्रांजिट सेल के बाकी सभी मामलों में ई1/ई2 फॉर्म के संदर्भ में कर देयता की विवरण पर निर्भर करेगी।

कुल कर की देयता उपरी एवं निचली पंक्तियों की कर देयता का योग होगा।

10. जिस तारीख से कर की देयता बनती है, उस तिथि से निर्धारित दर पर व्याज लगाया जाएगा।

- बिक्री राशि, फॉर्म की राशि, भुगतान की गयी राशि, इत्यादि के कुल योग को संबंधित तालिका की आखिरी पंक्ति में दर्शया जाएगा।
- ब्लॉक आर. 7 के संदर्भ में वह तीन साल मान्य होंगे, जो उस साल से ठीक पहले के होंगे, जिस साल की विवरणी दाखिल की जा रही हो। उदाहरण के लिए— अगर वर्ष 2013–14 की विवरणी दाखिल की जाएगी तो लवित सूचना वर्ष 2010–11, 2011–12 एवं 2012–13 की दी जाएगी।
- ब्लॉक आर.7 में सूचना भरते समय वर्ष की अंतिम विवरणी के बीच की अवधि में प्राप्त सांविधिक फॉर्मों की सूचना तथा दायर की गयी वर्तमान सूचना दी जाएगी बरतों कि उस वर्ष की सीमा अवधि व्यतीत हो चुकी हो।
- बिक्री राशि, भुगतान राशि, फॉर्म्स की राशि का विवरण यदि किसी ब्लॉक में दर्शया गया है और वही विवरण किसी और ब्लॉक में भी भरा जाना है तो ऐसे विवरण आपसे में संगत होने चाहिए।

व्यापार एवं कर विभाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

फार्म - 10

[नियम 10 ए]

केन्द्रीय बिक्री कर दिल्ली नियमावली 2005
केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956 के अन्तर्गत पंजीकरण के संशोधन हेतु आवेदन पत्र
यदि संशोधन दिल्ली मूल्य संवर्धन कर के अन्तर्गत नहीं है

1. पहचान

5. रद्द करने का कारण	
6. केन्द्रीय विक्री कर अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत किस तिथि से पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द करना है	
7. अधिक प्राप्त प्रपत्र का प्रकार और प्रयोग नहीं किया	

प्रपत्र का प्रकार	वर्ष	कर अवधि तिमाही	अनप्रयुक्त प्रपत्रों की संख्या	राशि

8. भविष्य में पत्राचार के लिए पता—

१. सत्यापन
मैं / हम	इसके हारा निष्ठापूर्वक घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इसमें उक्त दी गई जानकारी मेरी/हमारी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर
पूरा नाम प्रथम नाम मध्यम नाम उपनाम
पदनाम
स्थान
दिनांक

तिथि		
	दिन	

माह	
-----	--

वर्ष			

1013 DG 114-4

व्यापार एवं कर विभाग

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

प्रपत्र डीवैट 11

(नियम 10ए देखिए)

केन्द्रीय बिक्री कर (दिल्ली) 2005 नियमावली

केन्द्रीय विक्री कर अधिनियम 1956 के अन्तर्गत पंजीकरण के संशोधन हेतु आवेदन—पत्र (यदि संशोधन दिल्ली मूल्य संविधित कर के अन्तर्गत नहीं हैं)

5. अतिरिक्त शाखा/शाखाओं/गोदाम/गोदामों का पता आदि	
6. मर्दों की वृद्धि	
<ul style="list-style-type: none"> (i) पुनः बिक्री हेतु (ii) बिक्री के लिये माल के विनिर्माण या प्रसंस्करण में प्रयुक्त (iii) खनन में प्रयुक्त (iv) बिजली या ऊर्जा के किसी अन्य रूप में उत्पादन या वितरण में प्रयुक्त (v) <u>बिक्री/पुनः बिक्री के लिए माल की पैकिंग के लिए</u> प्रयुक्त 	
7. मर्दों को हटाने के लिए	
<ul style="list-style-type: none"> (i) पुनः बिक्री हेतु (ii) बिक्री के लिये माल के विनिर्माण या प्रसंस्करण में प्रयुक्त (iii) खनन में प्रयुक्त (iv) बिजली या ऊर्जा के किसी अन्य रूप में उत्पादन या वितरण में प्रयुक्त (v) <u>बिक्री/पुनः बिक्री के लिए माल की पैकिंग के लिए</u> प्रयुक्त 	

8. सत्यापन

इसके द्वारा सत्यनिष्ठा पूर्वक धोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार उक्त जानकारी सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकत हस्ताक्षरकर्ता

परा नाम (प्रथम नाम, मध्य नाम, उपनाम) _____

पदनाम/स्थिति _____

स्थान

तिथि					
	दिन		माह		वर्ष

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,
रविन्द्र कमार, उप-सचिव—VI (वित्त)

No. F. 3(27)/Fin.(Rev-I)/2013-14/dsVI/292.— In exercise of the powers conferred by sub-section 3 and 4 of section 13 of the Central Sales Tax Act, 1956 (Act No. 74 of 1956), and all other powers enabling it in this behalf, the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, hereby, makes the following rules further to amend the Central Sales Tax (Delhi) Rules, 2005, namely:

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Central Sales Tax (Delhi) [Amendment] Rules, 2014.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.

2. Amendment of rule 4.— In the said rules, rule 4, shall be substituted, namely -

“(1) In addition to the returns required under rule 3, every dealer shall also furnish to the Commissioner, a Reconciliation Return for a year in Form 9 relating to receipt of declarations / certificates (hereinafter referred to as ‘statutory forms’) within a period of six months from the end of the year to which it relates. The return shall be filed electronically:

PROVIDED that the return can be filed for a quarter or more than one quarter of the year, any time during the year but not later than the limitation period specified in sub-rule(1):

PROVIDED ALSO that provisions of sub-rule (5) of rule 5, clause (a) of sub rule (5) of rule 7, sub-rule(2) of rule 9, rule 6A and rule 6B shall not apply in so far as periodicity of filing of reconciliation return and furnishing of declaration(s) / certificate(s) is concerned.”

(2) The statutory forms received in original, in lieu of concessional sale or stock transfer shall be retained by the dealer with him. The Commissioner may direct the dealer to furnish such forms as and when required by him during a period of seven years from the end of the year to which the forms relate.

(3) The return in Form 9, may be revised by the end of the financial year next to which it relates:

PROVIDED that the Commissioner may extend the period of revision by three months after end of the limitation period of revision.

PROVIDED FURTHER that notwithstanding anything contained in these rules or the DVAT Rules, 2005, no further extension in the time period for such revision shall be permissible.

Explanation - The word ‘year’ and ‘quarter’ for the purposes of these rules have the same meaning as defined in Delhi Value added Tax Act, 2004 and rules framed there under.”

3. Insertion of rule 10A .— In the said rules, after rule 10, the following shall be inserted, namely :-

“10A Amendment and Cancellation of Registration Certificate:— The application for cancellation of registration can be filed in Form 10 and application for amendment of the registration can be filed in Form 11. The applications shall be processed in the manner specified under the Delhi Value Added Tax Act, 2004 and rules framed there under.

4. Amendment in CST Form-1.— In the said rules, in forms appended thereto, in CST Form -1.-

(i) The block R10 and R11 shall be omitted.

(ii) Block ‘R12 verification’ is renumbered as block ‘R10 verification’.

5. Insertion of Form-9, Form-10, Form-11.— In the said rules, in forms appended thereto, Form, 9, 10, and 11 shall be inserted, namely:-

“DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES”

Government of NCT of Delhi

Form 9

[See Rule 4]

The Central Sales Tax (Delhi) Rules, 2005

Reconciliation Return for Inter-State Sales / Stock Transfer etc.

Ward No. -

Original/Revised

If revised -

- (iv) Date of filing original return -
- (v) Ack. Receipt No. -
- (iii) Reason for revision -

(Note - Please read instructions at the end carefully before filing up the form)

R1 – Year and Tax Period(s):

Year -

Tax Period (s)	From	/	/	/	/		To	/	/	/	/
		/	/	/	/			/	/	/	/
		/	/	/	/			/	/	/	/
		/	/	/	/			/	/	/	/
		dd	mm	yy				dd	mm	yy	

R2 - Identification

R3 – Receipt and Pendency of declarations/certificates (C/C+E-I/C+E-II/E-I/E-II/F/H/I/J Forms)

(Turnover in Rs.)

R4 – Liabilities

(Amount in Rs.)

Sr. No.	Tax payable (Col. 10- Col. 11 of R3)	Interest	Total (2+3)	Amount paid	Balance due
1	2	3	4	5	6

R5 – Payment details relating to Col. 5 of R4

Sr. No.	Date of payment	Challan ID	Name of Bank Branch	Amount paid (Rs.)		
				Tax	Interest	Total
1	2	3	4	5	6	7
Total						

R6 – Detail of the forms Received (C/E-I/E-II/F/H/I/J Forms)(Relating to R3)

(Value in Rs.)

Sr No.	Tax Period / Quarter	Type of form	State	TIN of Issuing dealer (Party)	Name of Party	Address of Party	Value of Forms , as mentioned in the forms received	Series No.	Form No.	Date of issue	Issuing Office
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
Total											

R7 – Pendency of forms pertaining to preceding three years before the year for which the return is being filed

R7.1 Assessment details of the cases assessed for deficiency of statutory forms

Sr No.	Year	Tax Period	Reference No. of assessment order/notice	Date of Assessment Order/Notice	Amount of Tax paid	Whether objection /Appeal Filed (Yes/No)	Status, if yes in Col.7 (Pending/Disposed of)
1	2	3	4	5	6	7	8

R7.2 – Payment details relating to Col. 6 of R7.1

Sr. No.	Date of payment	Challan ID	Name of Bank Branch	Amount paid (Rs.)			
				Tax	Interest	Penalty	Total
1	2	3	4	5	6	7	8
Total							

R7.3 Details of pending forms for which assessment has not yet been framed

R7.4 – Payment details relating to Col. 9 of R7.3

R7.5 – Detail of the forms Received (C/E-I/E-II/F/H/I/J Forms)(Relating to R 7.3)

(Value in Rs.)

R8 – Verification

I/We _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorised Signatory

Full Name (*first name, middle, surname*)

Designation/Status

Place

Date		
	Day	

Month	

Year		

Instructions –

1. The return is to be filed annually by the dealers who have effected central sale / stock transfer against statutory forms during the year or quarter as the case may be. The details of the forms received have to be provided quarter wise. It can be filed for one tax period or more than one tax period but for inclusion of information for remaining tax periods or the year, the original return filed already is to be revised. The revised return shall be inclusive of the information of earlier tax periods of the year. Return can also be revised for updating /correcting the information already filed within prescribed period. The latest return original or revised shall be recognised for all purposes of the Act or Rules.
2. Turnover means sale turnover as defined in section 2(1)(zm) of Delhi Value Added Tax Act, 2004 and 2(j) of Central Sales Tax Act, 1956 and effected against the forms. It will include turnover of stock transfer also. The turnover reported in the latest return (CST Form 1) should be reported.
3. Sold goods returned by buyer /consignee/branch within the prescribed period should be reported against the quarter in which the goods were sold/supplied initially.
4. Value of forms may be quoted as mentioned on the declaration / certificate (form) in block R3 and R6. However, for the purpose of column 6 in R7, net sale value of goods excluding CST/freight or goods returned etc. involved in the forms received, is to be mentioned.
5. Excess value of form means if form is inclusive of CST or any other charges like transport etc. or value of sold goods returned. Value over & above taxable turnover is the excess value of the form(s). The details of forms for Sale / stock transfer effected in a tax period should be reported against that tax period only irrespective of whether the goods have been received by buyer/transferee in the subsequent tax period.
6. Pendency of forms means the turnover for which forms have not been received till filing of the return.
7. Registration No. / TIN of issuing dealer /Party means the dealer who has issued forms to the dealer against concessional sale, stock transfer or transit sale.
8. Rate of tax under DVAT Act means rates specified in schedules appended to Delhi Value Added Tax Act, 2004.
9. For the purpose of Block R 3 and R 7, turnover of all kinds of sale / stock transfer should be reported before the row of 'Total'. Normal sale against 'C' forms and sale in transit against 'C+E-I/E-II' should be shown separately. In case of transit sale, details of forms 'C' & 'E-I/E-II' are to be provided separately. The details of 'C' forms for transit sale shall be provided in upper row mentioning 'C+E-I' or 'C +E-II' in Col. 3 of R3 and col. 4 of R7.3 i.e. 'Type of form'. For working out tax liability, if form C is not received, irrespective of whether E-I /E-II has been received or not, then tax rate applicable under DVAT Act shall be applicable on the turnover for which 'C' form has not been received. If form 'C' is received, irrespective of whether E-I /E-II has been received or not, then tax liability will be 'Nil' for the purpose of said row but the liability will be worked out on the basis of details to be provided in the lower rows meant for form 'E-I/E-II'.

For the lower rows in block R3 and R7.3 relating to details of form 'E-I/E-II', the turnover for E-I/E-II shall be the turnover of sale and not the purchase turnover for which E-I/E-II is received from the seller. The tax liability shall be worked out @2% in cases where form 'C' has been received but form 'E-I/E-II' has not been received. In other words, such transaction shall be similar to the normal sale against 'C' form. In all other cases of transit sale, the tax liability against 'E-I/E-II' forms whether received or not shall be 'NIL' for the purpose of lower rows.

The total tax liability shall be the sum of tax liability of upper and lower rows.

10. Interest is leviable at the prescribed rate from the date from which tax becomes due to be paid.
11. Total of turnover, value of forms, tax paid etc. may be given in the last row of the relevant table.
12. For the purpose of block R7, three years are to be counted preceding to the year for which the return is being filed. For example, while filing return in Form 9 for the year (complete) 2013-14, pendency information for 2012-13, 2011-12 & 2010-11 is to be provided.
13. While reporting information in block R7, the information of statutory forms received in the intervening period of final return filed for a year and current information filed is to be given provided the limitation period of that year should have already ended.
14. The details of turnover / payment / value of forms shown in one block should match with corresponding details in other blocks.

DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

Government of NCT of Delhi

Form 10

[See Rule 10A]

The Central Sales Tax (Delhi) Rules, 2005

Application for Cancellation of Registration under Central Sales Tax Act, 1956

(If not applied for cancellation under DVAT Act)

5. Reason for Cancellation	
6. Date from which registration under Central Sales Tax Act, 1956 is to be cancelled	
7. Type and number of advance forms obtained and not utilised	

Type of Form	Year	Tax Period/Quarter	Sl. No. of Form unutilized	Amount involved

8. Address for future correspondence

9. Verification	I/We _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.
Signature of Authorised Signatory Full Name (<i>first name, middle, surname</i>) _____ _____ _____	
Designation/Status _____ Place _____	

Date				
	Day		Month	Year

DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

Government of NCT of Delhi

Form 11

[See Rule 10A]

The Central Sales Tax (Delhi) Rules, 2005

Application for Amendment of Registration under Central Sales Tax Act, 1956
(If amendment is not covered under DVAT Act)

5. Address of Additional Branch(es) / Godown(s) etc.	
6. Addition of items for (i) resale (ii) use in the manufacture or processing of goods for sale (iii) use in mining (iv) use in generation or distribution of electricity or any other form of power (v) use in packing of goods for sale/resale	
7. Deletion of items for (i) resale (ii) use in the manufacture or processing of goods for sale (iii) use in mining (iv) use in generation or distribution of electricity or any other form of power (v) use in packing of goods for sale /resale	

8. Verification

I/We _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed there-from.

Signature of Authorised Signatory _____

Full Name *(first name, middle, surname)* _____

Designation/Status _____

Place _____

Date		
	Day	

Month	

Year			

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of the National Capital Territory of Delhi,

1013 DG/14-6

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
अधिसूचना

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

संफाल 13(43)/09/विविध/डीसी/सर्त./3355-3363.— इस संबंध में दिनांक 26 अगस्त, 2010 को जारी अधिसूचना फा. 21/60/2001/स्वा० एवं परि. कल्या०/एसएस 1 एचएफडब्ल्यू/5-14 के अधिक्रमण में, ऐसे अधिक्रमण से पहले की गई बातें या की जाने के लिये हटाई गई बातों को छोड़कर और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 36ख की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करके इसके द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के प्रत्येक जिले के अपर सत्र न्यायाधीश-01 के न्यायालय को अपमिश्रित औषधियों या नकली औषधियों से संबंधित अपराधों तथा धारा 13 के खंड (क) एवं (ख), धारा 22 के उपधारा (3), धारा 27 के खंड (क) एवं (ग), धारा 28, धारा 28क, धारा 28ख और धारा 30 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के अन्तर्गत दंडनीय तथा अपमिश्रित औषधियों या नकली औषधियों से संबंधित अन्य अपराधों के लिये और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के चौथे अध्याय के अन्तर्गत दंडनीय सभी अन्य अपराधों के विचारण के लिये भी विषेष न्यायालय के रूप में तत्काल पदनामित करते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
 के आदेश से तथा उनके नाम पर,
 सुष्मा सिंह, उप-सचिव

DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
NOTIFICATION

Delhi, the 5th March, 2014

No. F. 13(43)/09/Misc/DC/Enft/3355-3363.— In supersession of notification No. F. 21(60)/2001/h&fw/ss1hfw/5-14 dated 26th August, 2010 issued in this regard, except as respects of things done or omitted to be done before such supersession and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 36AB of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, in consultation with the Chief Justice of the High Court of Delhi, hereby designates the Court of Additional Sessions Judge-01, in each district of the National Capital Territory of Delhi, as Special Court for their respective Sessions Division for trial of offences relating to adulterated drugs or spurious drugs and punishable under clauses (a) and (b) of section 13, sub-section (3) of section 22, clauses (a) and (c) of section 27, section 28, section 28A, section 28B and clause (b) of sub-section (1) of section 30 and for other offences relating to adulterated drugs or spurious drugs and also for all other offences punishable under Chapter IV of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 with immediate effect.

By Order and in the Name of
 the Lt. Governor, National Capital Territory of Delhi,
 SUSHMA SINGH, Dy. Secy.

विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

फा. सं. एफ. 5(1)/91-वाद./वॉल-2/उपसचिव विधि/295-307.— दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उप-राज्यपाल इस सरकार की दिनांक 27 जुलाई 2011 अधिसूचना सं. 5/10/वाद/उपसचिव/2894-2908 उक्त अधिसूचना में इस आषय का संशोधन करते हैं।

1. इस अधिसूचना की तिथि से निम्नलिखित प्रविष्टि हटाई जाएगी अर्थात् :-
- 4 “श्री दयान कृष्णन”

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उप-राज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर,
डॉ. सौरभ कुलश्रेष्ठ, अतिरिक्त सचिव

DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE AND LEGISLATIVE AFFAIRS

NOTIFICATION

Delhi, the 5th March, 2014

F. No. F. 5(1)/91-Lit./Vol.II/Dy Secy. Law/295-307.— The Lt. Governor of NCT of Delhi is pleased to amend this Government's Notification No. F. 5 (10)/Lit/Dy.Secy. Law/2894-2908 dated 27th July, 2011 to the effect that in the said notification:

1. The following entry shall be omitted w.e.f. from the date of this notification, namely:-
4. “Sh. Dayan Krishnan”

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the
National Capital Territory of Delhi,

Dr. SAURABH KULSHRESHTHA, Addl. Secy.

व्यापार एवं कर विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

सं.फा. 7(433)/नीति-II/वैट/2012/1016-1026.— मैं, प्रशांत गोयल, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 की धारा 70 की उप-धारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा मुझे प्रदत्त की गई वित्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या सं.फा. 7/433/नीति-II/वैट/2012/1332-1342 दिनांक 28-02-2014 का आंशिक संशोधन करते हुए वेब आधारित मोबाइल अप्लीकेशन/एसएमएस के द्वारा टी-2 विवरण को संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करने के प्रारूप को संशोधित करता हूँ। जो निम्न प्रकार है:

T2<space>Invoice No.<space>Delhi VAT Rate<space>VAT Rate wise actual invoice amount.

तथापि ऑन लाइन विवरण प्रस्तुत करने के लिए फार्म टी-2 को भी संशोधित किया जाता है। संशोधित फार्म टी-2 संलग्न है।

उपर्युक्त अधिसूचना की बाकी सामग्री उसी प्रकार रहेगी।

प्रशांत गोयल, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर

प्रपत्र टी-2

1. इनवाइस विवरण

इनवाइस संख्या	इनवाइस दिनांक	कुल इनवाइस मूल्य (सी एस टी तथा माल भाड़ा के साथ)

2. खरीद का प्रकार

खरीद का प्रकार

3. विक्रेता की पहचान

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	टिन	
2.	नाम	
3.	पता	
4.	मोबाइल नं०	
5.	राज्य	
6.	नगर	

4. माल के आगमन का विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	माल को दिल्ली में प्रवेश करने की संभावित तिथि	
2.	माल को दिल्ली में प्रवेश करने की तिथि, यदि फार्म टी-2 का विवरण दिल्ली में माल के आने के 24 घंटे के भीतर दिया जा रहा है ।	

5. माल का विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	नाम	
2.	दिल्ली वैट दर (%)	
3.	मात्रा	
4.	यूनिट	
5.	मूल्य प्रति यूनिट (रुपये)	
6.	मूल्य (सी एस टी तथा माल भाड़ा के साथ)	
7.	कुल मूल्य (इवाइस में सम्मिलित सभी माल के संदर्भ में— सी एस टी तथा माल भाड़ा के साथ)	

-2-

6. यातायात के साधन

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	सड़क मार्ग द्वारा	
2.	सड़क मार्ग, एनसीआर से गैर-वाणिज्यिक वाहन द्वारा	
3.	कोरियर द्वारा	
4.	रेल द्वारा	
5.	पाइप लाइन द्वारा	
6.	वायु मार्ग द्वारा	
7.	इंटरनेट द्वारा	
8.	बिक्री के लिए नई मोटर गाड़ी	

7. डिस्पेच संबंधी विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	वस्तुओं के डिस्पेच का स्थान	
2.	वस्तुओं की डिलीवरी का स्थान	दिल्ली

8. यातायात का विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	नाम	
2.	पता	
3.	राज्य	
4.	नगर	
5.	वाहन संख्या	
6.	मोबाइल नं.	
7.	चालक का लाईसेंस नं.	
8.	जी.आर./एयरवेज संख्या/आर.आर./कोरियर पावटी/इंजन नं.	
9.	जी.आर. की दिनांक	
10.	पाइपलाइन का मालिक	
11.	वेब लिंक	

टीप:- प्रत्येक इन्वाइस के लिए अलग-अलग फार्म टी-2 फाइल किया जायेगा।

DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

NOTIFICATION

Delhi, the 5th March, 2014

No.F.7(433)/Policy-II/VAT/2012/1016-1026.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) read with sub-section (3) of section 70 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004 and in partial modification of Notification No.F.7(433)/Policy-II/VAT/2012/1332-1342 dated 28-02-2014, I, Prashant Goyal, Commissioner, Value Added Tax, Government of NCT of Delhi, hereby revise the format for submission of T-2 details in summarised form through a web based mobile application/SMS, as under:

T-2<space>Invoice No.<space>Delhi VAT Rate<space>VAT rate wise actual invoice amount.

Further, the T-2 form for furnishing online details is also revised. The revised Form T-2 is annexed.

Rest of the contents of the above said notification shall remain unchanged.

PRASHANT GOYAL, Commissioner, Value Added Tax

FORM T-2

1. Invoice Details

Invoice No.	Invoice Date	Total Invoice Amount (Including CST & Freight etc.)

2. Purchase Type -

3. Suppliers Detail -

Sr. No.	Description	Information
1.	TIN	
2.	Name	
3.	Address	
4.	Mobile No.	
5.	State	
6.	City	

4. Goods Arrival detail

Sr. No.	Description	Information
1.	Date on which goods are likely to enter Delhi	
2.	Date on which goods entered Delhi, if Form T-2 is filed within 24 hours of entry of goods in Delhi	

5. Commodity Details

Sr. No.	Description	Information
1.	Name	
2.	Delhi VAT Rate (%)	
3.	Quantity	
4.	Unit	
5.	Price per Unit (Rs.)	
6.	Amount (Excluding CST & Freight etc.)	
7.	Total Amount (All commodities of the invoice, excluding CST & Freight etc.)	

6. Mode of Transport

Sr. No.	Description	Information (Tick)
1.	By Road	
2.	By Road, from NCR in Non-Commercial Vehicle	
3.	Through Courier	
4.	By Train	
5.	Through Pipeline	
6.	By Air	
7.	Through Internet	
8.	New Vehicles for sale	

7. Dispatch Detail

Sr. No.	Description	Information
1.	Place of dispatch of goods	
2.	Place of delivery of goods	Delhi

8. Transporters Detail

Sr. No.	Description	Information
1.	Name	
2.	Address	
3.	State	
4.	City	
5.	Vehicle No.	
6.	Mobile No.	
7.	Driving License No.	
8.	GR /Airways /RR/Courier receipt /Engine No.	
9.	Date of GR	
10.	Owner of Pipeline	
11.	Web link	

Note - A separate T-2 Form has to be filed for each invoice.